अध्याय I : परिचय

1.1 लेखापरीक्षा की गई इकाईयों की रुपरेखा

यह प्रतिवेदन रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत निम्नलिखित सगंठनों के वित्तीय लेन देन की लेखापरीक्षा से उत्पन्न मामलों से संबंधित है:

1.1.1 भारतीय नौसेना

भारतीय नौसेना का प्रधान नौसेनाध्यक्ष होता है। एकीकृत मुख्यालय रक्षा मंत्रालय (नौसेना), भारतीय नौसेना का शीर्ष अंग तथा मुख्य प्रबन्धकीय संगठन है और नौसेना के कमान, नियंत्रण तथा प्रशासनिक कार्यों के लिए उत्तरदायी है। भारतीय नौसेना की प्रचालनात्मक तथा अनुरक्षण इकाईयों में मुख्यतः युद्धपोत तथा पनडुब्बियां, गोदीबाड़ा, नौसेना पोत मरम्मत बाड़े, अस्त्र-शस्त्र उपकरण डिपो तथा सामग्री संगठन शामिल हैं। भारतीय नौसेना का एक विमानन विंग है जिसके अधीन वायु स्टेशन तथा संबंधित मरम्मत सुविधाएं आती हैं। भारतीय नौसेना के पास युद्धपोत निरीक्षण दल भी हैं जो संबंधित पोतनिर्माण बाड़ों पर पोतों तथा पनडुब्बियों के निर्माण को देखभाल करते हैं।

नौसेना की सैन्य भूमिका का उद्देश्य राष्ट्रीय हित के विरूद्ध किए गए हस्तक्षेप या कार्रवाई को रोकना और युद्ध की स्थिति में शत्रुओ को पूर्णतयः पराजित करने की योग्यता रखना है। वर्ष 2015-16 के दौरान भारतीय नौसेना के द्वारा राष्ट्र को दिए गए मुख्य योगदान[1] निम्न थेः

- अन्तर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (आई.एफ.आर-16) का विशाखापत्तनम मे 04 फरवरी 2016 से 08 फरवरी 2016 के बीच आयोजन।
- कोलकाता श्रेणी के नियंत्रित प्रक्षेपास्त्र विनाशक के द्वितीय पोत भारतीय नौसेना पोत (आई.एन.एस) कोच्चि की नियुक्ति।
- टारपीडो लान्च रिकवरी पोत (टी.एल.आर.वी) आई.एन.एस अस्त्रधारिणी की नियुक्ति।
- मिग 29के वायुयान के संचालन हेतु कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण सिमुलेटर सुविधा की सेवा नियुक्ति।
- आठ पी8-आई लांग रेन्ज मैरीटाईम वारफेयर (एल.आर.एम.आर.ए.एस.डब्ल्यू) वायुयानों का शामिल होना।
- 13 त्वरित सहायता पोतों (आई.एस.वी) की सेवा नियुक्ति।

[1] स्रोत: भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय का 2015-16 का वार्षिक प्रतिवेदन।

1.1.2 भारतीय तटरक्षक

भारतीय तटरक्षक का सृजन देश के व्यापक समुद्रतटों तथा समुद्रतटीय सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु किया गया था। महानिदेशक तटरक्षक, तटरक्षकों का सामान्य निरीक्षण, निर्देशन तथा नियंत्रण सम्पादित करता है। तटरक्षक के पास तस्करी, भारतीय समुद्री क्षेत्रों में अतिक्रमण आदि जैसे अवैध क्रियाकलापों के लिए समुद्र तट पर गश्ती के लिए विभिन्न प्रकार के गश्ती पोत हैं। तटरक्षक के पास तटवर्ती क्षेत्रों की गश्ती हेतु स्थायी तथा रोटरी विंग वायुयानों के साथ समुद्र पर तलाशी तथा बचाव मिशन कार्यान्वित करने के लिए एक विमानन विंग भी है। विमानन विंग के पास सभी तटवर्ती क्षेत्रों में अपने कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए तटरक्षक हवाई स्टेशन तथा हवाई एनक्लेव हैं। वर्ष 2015-16 के दौरान तटरक्षक की मुख्य उपलब्धियां[2] निम्न थीः

- अपतटीय गश्ती पोत (ओ॰पी॰वी) अर्थात् भारतीय तटरक्षक पोत (आई॰सी॰जी॰एस) समर्थ का सेवा नियुक्त किया जाना।
- प्रदूषण नियंत्रण पोत (पी॰सी॰वी) अर्थात् आई॰सी॰जी॰एस समुद्र पावक का सेवा नियुक्त किया जाना।
- सात त्वरित गश्ती पोतों (एफ॰पी॰वी) का शामिल होना।
- ग्यारह अवरोधक पोतों (आई॰बी) का शामिल होना।

प्रतिवेदन रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत निम्नलिखित सगंठनों के वित्तीय लेन देन की लेखापरीक्षा से उत्पन्न मामलों से भी संबंधित है:

- रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और मुख्यत: भारतीय नौसेना को समर्पित इसकी प्रयोगशालायें।
- भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक से संबंधित रक्षा लेखा विभाग
- भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक से संबंधित सैन्य अभियंता सेवाएँ

1.2 लेखापरीक्षा हेतु प्राधिकार

भारत के संविधान के अनुच्छेद 149 तथा भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियों और सेवाओं की स्थिति) अधिनियम, 1971 और लेखापरीक्षा एवं लेखा के विनियम 2007, लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षा की विस्तृत कार्यप्रणाली और उसके प्रतिवेदन के लिए प्राधिकार देते हैं।

---

[2] स्रोत: भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय का 2015-16 का वार्षिक प्रतिवेदन।

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा नौसेना, नई दिल्ली का कार्यालय, मुम्बई, विशाखापत्तनम तथा कोच्चि के अपने तीन शाखा कार्यालयों के साथ भारतीय नौसेना, तटरक्षक तथा अन्य संबंधित संगठनों की लेखापरीक्षा के लिए उत्तरदायी है।

1.3 लेखापरीक्षा की प्रणाली एवं कार्यविधि

लेखापरीक्षा को जोखिमों के विश्लेषण और मूल्यांकन के माध्यम से प्राथमिकता दी जाती है ताकि प्रमुख प्रचालन इकाईयों में उनके महत्व का आकलन किया जा सके। किया गया व्यय, प्रचालनात्मक महत्व, पिछली लेखापरीक्षा के परिणाम तथा आन्तरिक नियंत्रण की शक्ति उन मुख्य कारकों में से है जो जोखिमों की तीव्रता को निर्धारित करते हैं। जोखिम निर्धारण के आधार पर लेखापरीक्षा करने के लिए एक वार्षिक लेखापरीक्षा योजना बनायी जाती है।

एक लेखापरीक्षा की गई इकाई के लेखापरीक्षा निष्कर्ष स्थानीय लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों/मामलों के विवरणों के माध्यम से सूचित किए जाते हैं। लेखापरीक्षा की गई इकाई से प्राप्त उत्तर पर विचार किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप या तो लेखापरीक्षा आपत्ति का निपटान कर दिया जाता है या आगामी लेखापरीक्षा चक्र में अनुपालन हेतु संदर्भित किया जाता है। अतिगम्भीर अनियमितताएं ड्राफ्ट पैराग्राफ के रूप में लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में शामिल करने के लिए प्रसंस्करण की जाती हैं जो कि संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखने के लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 151, के अन्तर्गत भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत किये जाते हैं। निष्पादन लेखापरीक्षाएं, लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र की व्याख्या, एंट्री कॉन्फ्रेंस के आयोजन, इकाईयों के नमूनों, एग्जिट कॉन्फ्रेंस, ड्राफ्ट रिपोर्ट पर फीडबैक को शामिल करने तथा अन्तिम रिपोर्ट जारी करने के माध्यम से की जाती है।

1.4 रक्षा बजट

रक्षा बजट विस्तृत रुप से राजस्व तथा पूंजीगत व्यय के अन्तर्गत श्रेणीबद्ध है। जबकि राजस्व व्यय में वेतन एवं भत्ते, भण्डार, परिवहन तथा कार्य सेवाएं आदि सम्मिलित हैं, पूंजीगत व्यय में नए पोतों, पनडुब्बियों, शस्त्रों, गोलाबारुद की खरीद तथा पुराने भण्डार का प्रतिस्थापन और निर्माण कार्य में आने वाला व्यय समावेशित है। 2011-12 से 2015-16 के दौरान रक्षा व्यय का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है :

तालिका 1.1: कुल रक्षा बजट आबंटन और वास्तविक व्यय

(₹ करोड़ में)

वर्णन	वर्ष				
	2011-12	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
बजट आबंटन	1,78,891	1,98,526	2,17,649	2,54,000	2,64,142
वास्तविक व्यय	1,75,898	1,87,469	2,09,789	2,37,394	2,43,534

स्रोत: रक्षा सेवाओं के वर्ष-वार विनियोग लेखे

विगत पाँच वर्षों के दौरान रक्षा व्यय में 2011-12 में ₹1,75,898 करोड़ से 2015-16 में ₹2,43,534 करोड़ अर्थात् 38.45 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। रक्षा व्यय 2015-16 में पिछले वर्ष के व्यय से 2.59 प्रतिशत बढ़ गया, अर्थात् 2014-15 में ₹2,37,394 करोड़ से 2015-16 में ₹2,43,534 करोड़ हो गया। 2015-16 में रक्षा सेवाओं के कुल व्यय में भारतीय नौसेना का हिस्सा ₹35,196 करोड़ अर्थात् 14.45 प्रतिशत था।

1.5 नौसेना का बजट एवं व्यय

भारतीय नौसेना के संबंध में 2011-12 से 2015-16 के दौरान विनियोग तथा व्यय की संक्षिप्त स्थिति निम्न तालिका में दर्शाई गई है:

तालिका 1.2 : विनियोग एवं व्यय

(₹ करोड़ में)

वर्णन		वर्ष				
		2011-12	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
अन्तिम अनुदान	**पूंजीगत**	17,922	17,066	19,386	21,807	19,757
	राजस्व	12,347	12,755	13,364	14,536	16,126
	योग	**30,269**	**29,821**	**32,750**	**36,343**	**35,883**
वास्तविक व्यय	**पूंजीगत**	19,211	17,760	20,359	22,270	19,875
	राजस्व	12,059	12,119	13,472	14,352	15,321
	योग	**31,270**	**29,879**	**33,831**	**36,622**	**35,196**
कुल आधिक्य/बचत (+)/(-)	**पूंजीगत**	(+)1,290	(+)694	(+)973	(+)463	(+)118
	राजस्व	(-)288	(-)636	(+)108	(-)184	(-)805
	योग	**(+)1,002**	**(+)58**	**(+)1,081**	**(+)279**	**(-)687**

स्रोत: रक्षा सेवाओं के वर्ष-वार विनियोग लेखे

पाँच वर्षों के लिए विनियोग लेखाओं, रक्षा सेवाओं का विश्लेषण, प्रत्येक वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक – महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन, संघ सरकार– संघ सरकार के लेखे में शामिल किया गया था।

1.5.1 नौसेना व्यय

भारतीय नौसेना के व्यय का विस्तृत सार निम्न तालिका में दिया गया है:

तालिका 1.3 : भारतीय नौसेना का व्यय

(₹ करोड़ में)

वर्णन	वर्ष				
	2011-12	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
कुल रक्षा व्यय	1,75,898	1,87,469	2,09,789	2,37,394	2,43,534
कुल नौसेना व्यय	31,270	29,879	33,831	36,622	35,196
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशतता परिवर्तन	(+)14.61	(-) 4.45	(+)13.23	(+)8.25	(-)3.89
कुल रक्षा व्यय के प्रतिशतता के रूप में	17.78	15.94	16.13	15.43	14.45
राजस्व व्यय	12,059	12,119	13,472	14,352	15,321
पूंजीगत व्यय	19,211	17,760	20,359	22,270	19,875

स्रोत: रक्षा सेवाओं के वर्ष-वार विनियोग लेखे

2011-12 से 2015-16 के दौरान भारतीय नौसेना द्वारा किया गया कुल व्यय, कुल रक्षा व्यय के 14.45 और 17.78 प्रतिशत के मध्य था। वर्ष 2015-16 में, भारतीय नौसेना का व्यय, पिछले वर्ष की तुलना में 3.89 प्रतिशत घट कर ₹36,622 करोड़ से ₹35,196 करोड़ हो गया।

1.5.2 पूंजीगत व्यय

भारतीय नौसेना के लिए विगत पांच वर्षों (2011-12 से 2015-16) के लिए विभिन्न श्रेणियों के प्रति व्यय का औसत वार्षिक वितरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है:

तालिका 1.4 : भारतीय नौसेना का पूंजीगत व्यय

(₹ करोड़ में)

शीर्ष	वर्ष				
	2011-12	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
नौसेना बेड़ा	10,320 (54%)	11,074 (62%)	8,151 (40%)	13,355 (60%)	10,765 (54%)
नौसेना गोदीबाड़ा	648 (3%)	752 (4%)	633 (3%)	635 (3%)	778 (4%)
विमान एवं एयरो इंजन	4,336 (23%)	1,695 (10%)	7,746 (38%)	3,248 (15%)	4,183 (21%)
निर्माण कार्य	515 (3%)	527 (3%)	516 (3%)	646 (3%)	680 (4%)
अन्य उपकरण[3]	2,583 (13%)	2,773 (16%)	2,630 (13%)	3,654 (16%)	2,656 (13%)
अन्य	809 (4%)	939 (5%)	683 (3%)	731 (3%)	813 (4%)
योग	**19,211**	**17,760**	**20,359**	**22,270**	**19,875**

स्रोतः रक्षा सेवाओं के वर्ष-वार विनियोग लेखे

भारतीय नौसेना का पूंजीगत व्यय 2011-12 से 2015-16 तक पांच वर्ष की अवधि के दौरान ₹19,211 करोड़ से बढ़कर ₹19,875 करोड़ हो गया अर्थात इसमे 3.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वर्ष की तुलना में नौसेना के पूंजीगत व्यय में 2014-15 में ₹22,270 करोड़ से 2015-16 में ₹19,875 करोड़ अर्थात 10.75 प्रतिशत की कमी हुई। वर्ष 2015-16 के दौरान पूंजीगत व्यय का महत्वपूर्ण भाग (54 प्रतिशत) नौसैनिक बेड़े पर व्यय किया गया, 21 प्रतिशत एवं 13 प्रतिशत क्रमशः विमानों तथा एयरो इंजन तथा अन्य उपकरणों पर व्यय किया गया, तथा 4 प्रतिशत प्रत्येक नौसेना गोदीबाड़े, निर्माण कार्य एवं अन्य पर खर्च किए गए।

---

[3] अन्य उपकरणों में इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स, शस्त्र, अन्तरिक्ष तथा उपग्रह, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध आदि शामिल हैं।

1.5.3 राजस्व व्यय

पिछले पांच वर्षों के लिए राजस्व व्यय की विभिन्न श्रेणियों के प्रति व्यय का वितरण नीचे दर्शाया गया हैः

तालिका 1.5 : भारतीय नौसेना का राजस्व व्यय

(₹ करोड़ में)

शीर्ष	वर्ष				
	2011-12	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
वेतन एवं भत्ते	4,508 (37%)	4,697 (39%)	5,085 (38%)	5,788 (40%)	6,190 (40%)
भण्डार	4,173 (35%)	3,982 (33%)	4,619 (34%)	4,151 (29%)	4,166 (27%)
कार्य	763 (6%)	760 (6%)	1,031 (8%)	1,124 (8%)	1,309 (9%)
परिवहन	353 (3%)	380 (3%)	347 (3%)	355 (3%)	412 (3%)
मरम्मत/ रीफिट	768 (6%)	654 (5%)	593 (4%)	863 (6%)	776 (5%)
अन्य	1,494 (12%)	1,646 (14%)	1,797 (13%)	2,071 (14%)	2,468 (16%)
योग	**12,059**	**12,119**	**13,472**	**14,352**	**15,321**

स्रोतः रक्षा सेवाओं के वर्ष-वार विनियोग लेखे

2011-12 से 2015-16 तक पॉच वर्ष की अवधि के दौरान, भारतीय नौसेना का राजस्व व्यय 2011-12 में ₹12,059 करोड़ से 27 प्रतिशत बढ़ कर 2015-16 में ₹15,321 करोड़ हो गया। पिछले वर्ष 2014-15 में ₹14,352 करोड़ की तुलना में भारतीय नौसेना का राजस्व व्यय 2015-16 में 6.75 प्रतिशत बढ़कर ₹15,321 करोड़ हो गया। भारतीय नौसेना का राजस्व व्यय मुख्यतः वेतन एवं भत्ते तथा भण्डार पर क्रमशः 40 प्रतिशत एवं 27 प्रतिशत किया गया था।

1.5.4 वर्ष के दौरान भारतीय नौसेना के व्यय का स्वरूप

2015-16 के दौरान पूंजीगत तथा राजस्व व्यय का प्रवाह निम्न चित्र में दर्शाया गया है:

चित्र 1.1 : 2015-16 के दौरान भारतीय नौसेना के व्यय का स्वरूप

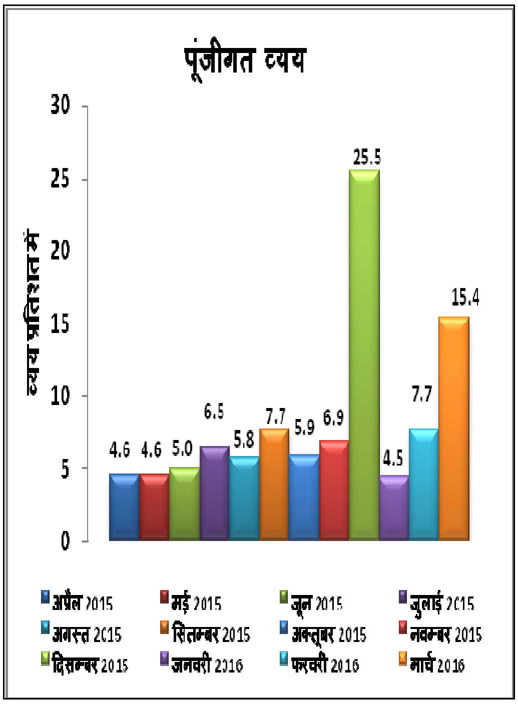

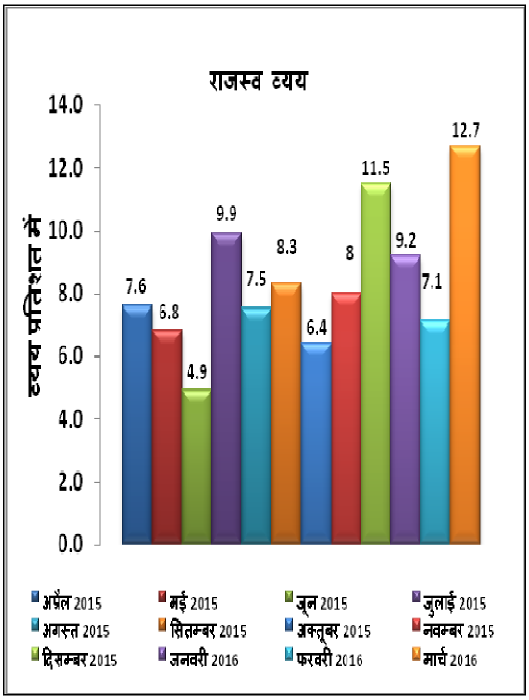

स्रोत: रक्षा मंत्रालय (वित्त) बजट-I अनुभाग द्वारा प्रदत्त सूचना

व्यय के प्रवाह की संवीक्षा से ज्ञात हुआ कि मार्च 2016 में भारतीय नौसेना का पूंजीगत व्यय 15.4 प्रतिशत था तथा 27.6 प्रतिशत पूंजीगत व्यय अंतिम तिमाही में किया गया जो मार्च के महीने में 15 प्रतिशत की सीमा तथा अन्तिम तिमाही की 33 प्रतिशत की सीमा के अन्दर था जो वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित की गई है। भारतीय नौसेना का राजस्व व्यय भी वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर ही था।

1.6 तटरक्षक का बजट एवं व्यय

तटरक्षक का बजट रक्षा मंत्रालय के विविध अनुदान का भाग है। राजस्व तथा पूंजीगत के लिए प्रदत्त राशि क्रमशः मुख्य शीर्ष 2037- 'सीमा शुल्क (बचाव तथा अन्य कार्य – तटरक्षक संगठन)' तथा 4047- 'वित्तीय सेवाओं का पूंजीगत परिव्यय, सीमा शुल्क (तटरक्षक संगठन)' के अंतर्गत है। रक्षा मंत्रालय के अधीन तटरक्षक व्यय के लिए पृथक मुख्य शीर्ष नहीं खोले गए हैं।

1.6.1 तटरक्षक का व्यय

आबंटन तथा व्यय का विस्तृत सार निम्न तालिका में दिया गया हैः

तालिका 1.6 : तटरक्षक का व्यय

(₹ करोड़ में)

वर्णन		वर्ष				
		2011-12	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
अन्तिम अनुदान/ विनियोग	**पूंजीगत**	1,600	1,565	1,060	1,140	1,500
	राजस्व	933	960	1,018	1,295	1,548
	योग	**2,533**	**2,525**	**2,078**	**2,435**	**3,048**
व्यय	**पूंजीगत**	1,575	1,565	1,070	1,142	1,517
	राजस्व	926	945	1,048	1,286	1,517
	योग	**2,501**	**2,510**	**2,118**	**2,428**	**3,034**

स्रोत: तटरक्षक मुख्यालय द्वारा प्रदत्त सूचना

तटरक्षक का व्यय 2011-12 से 2015-16 तक पांच वर्ष की अवधि के दौरान ₹2,118 करोड़ तथा ₹3,034 करोड़ के बीच था । पिछले वर्ष की तुलना में 2015-16 में व्यय में 24.96 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई। निरपेक्ष संदर्भ में तटरक्षक का व्यय 2014-15 में ₹2,428 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹3,034 करोड़ हो गया।

तटरक्षक का पूंजीगत व्यय 2011-12 से 2015-16 तक पांच वर्ष की अवधि के दौरान ₹1,070 करोड़ तथा ₹1,575 करोड़ के बीच था, जबकि तटरक्षक का राजस्व व्यय 2011-12 में ₹926 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹1,517 करोड़ हो गया अर्थात तटरक्षक के राजस्व व्यय में 2011-12 से 2015-16 तक पांच वर्ष की अवधि के दौरान 63.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

पिछले वर्ष की तुलना में तटरक्षक का पूंजीगत व्यय 2015-16 में लगभग 32.84 प्रतिशत बढ़कर ₹1,142 करोड़ से ₹1,517 करोड़ हो गया। तटरक्षक का राजस्व व्यय पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 17.96 प्रतिशत बढ़कर ₹1,286 करोड़ से 2015 -16 में ₹1,517 करोड़ हो गया।

1.6.2 वर्ष के दौरान व्यय का स्वरूप

लेखापरीक्षा ने वर्ष 2015-16 के दौरान पूंजीगत तथा राजस्व व्यय के प्रवाह की जांच की, जिसे नीचे दर्शाया गया है:

चित्र 1.2 : वर्ष 2015-16 के दौरान तटरक्षक के व्यय का स्वरूप

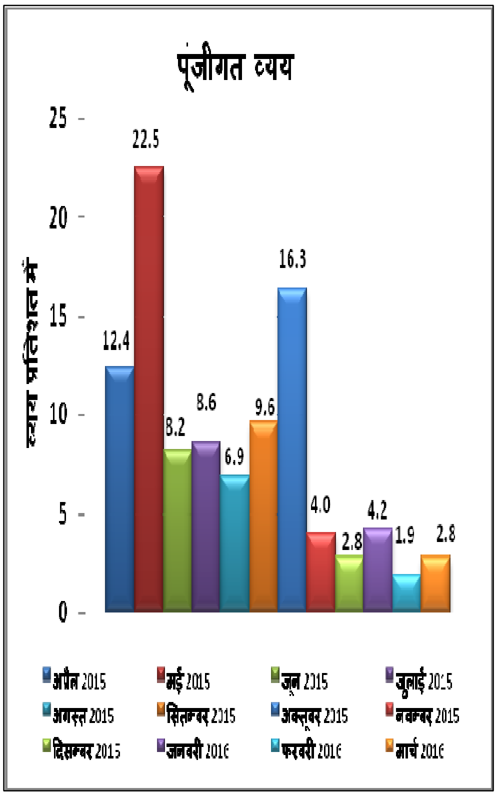

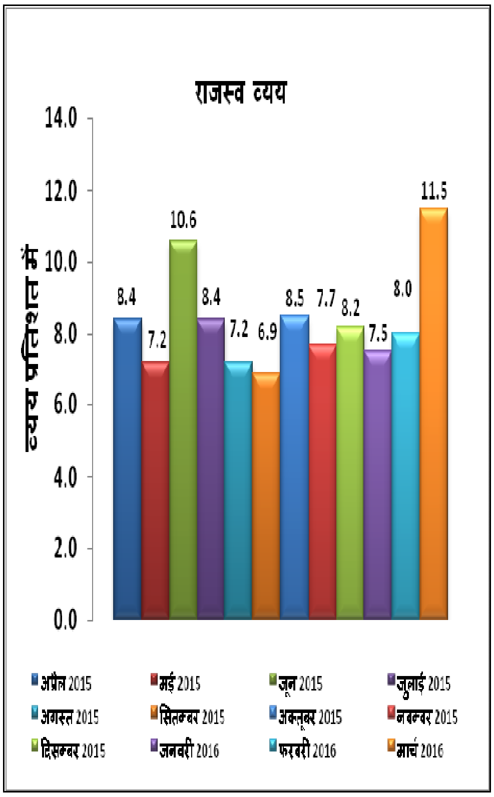

स्रोत: तटरक्षक मुख्यालय द्वारा प्रदत्त सूचना

व्यय की संवीक्षा से पता चला कि तटरक्षक ने पूंजीगत व्यय का 2.8 प्रतिशत मार्च 2016 के महीने में खर्च किया तथा 8.9 प्रतिशत पूंजीगत व्यय अन्तिम तिमाही में किया जो वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित की गई मार्च के महीने में 15 प्रतिशत की सीमा तथा अन्तिम तिमाही की 33 प्रतिशत की सीमा के अन्दर था। राजस्व व्यय भी वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर ही था।

1.7 नौसेना तथा तटरक्षक की प्राप्तियां

2011-12 से 2015-16 के दौरान पिछले पांच वर्षों की अवधि में भारतीय नौसेना तथा भारतीय तटरक्षक से संबंधित उन सेवाओं के लिए प्राप्तियां तथा वसूली का विवरण, जो कि उन्होंने अन्य संगठनों/विभागों के लिए प्रदान की थी, नीचे तालिका में दिए गए है:

तालिका 1.7: भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक की राजस्व प्राप्तियाँ

(₹ करोड़ में)

वर्ष	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
नौसेना के संबंध में प्राप्ति तथा वसूली	154.94	285.07	437.89	673.13	328.77
तटरक्षक के संबंध में प्राप्ति तथा वसूली	6.73	34.41	27.19	24.60	31.45

स्रोत: रक्षा मंत्रालय (वित्त) बजट-I और तटरक्षक मुख्यालय द्वारा प्रदत्त वास्तविक प्राप्तियों के आकड़े

2011-12 से 2015-16 तक पांच वर्ष की अवधि के दौरान नौसेना के संबंध में प्राप्ति और वसूली ₹154.94 करोड़ से ₹673.13 करोड़ के मध्य रही। जबकि वर्ष 2011-12 से वर्ष 2015-16 तक पांच वर्ष की अवधि के दौरान तटरक्षक के संबंध में प्राप्ति और वसूली ₹6.73 करोड़ से ₹34.41 करोड़ के मध्य रही।

नौसेना के संबंध में प्राप्ति और वसूलियों ने पिछले वर्ष 2014-15 में ₹673.13 करोड़ की तुलना में 2015-16 में ₹328.77 करोड़ अर्थात 51.16 प्रतिशत की गिरावट दर्शाई, जबकि तटरक्षक के संबंध में प्राप्ति और वसूलियों ने पिछले वर्ष 2014-15 में ₹24.60 करोड़ की तुलना में वर्ष 2015-16 में ₹31.45 करोड़ अर्थात 27.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई।

1.8 लेखापरीक्षा पर प्रतिक्रिया

1.8.1 पूर्व प्रतिवेदनों के लेखापरीक्षा के पैराग्राफों पर की गई कार्यवाही

विभिन्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में उल्लिखित सभी मामलों के संबंध में कार्यपालिका की जवाबदेही निश्चित करने हेतु लोक लेखा समिति ने इच्छा व्यक्त की कि 31 मार्च 1996 और उसके बाद समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में उल्लिखित सभी पैराग्राफों पर संसद में प्रतिवेदनों को प्रस्तुत करने के चार महीने के भीतर की गई कार्यवाही टिप्पणी (ए.टी.एन), लेखापरीक्षा द्वारा जाँच कराकर, प्रस्तुत कर दिए जाएं।

31 मार्च 2017 को नौसेना तथा तटरक्षक से संबंधित लेखापरीक्षा पैराग्राफों पर बकाया कार्यवाही टिप्पणी की स्थिति नीचे दर्शाई गई है:

तालिका 1.8 : ए.टी.एन की स्थिति

ए.टी.एन की स्थिति	नौसेना एवं तटरक्षक
लेखापरीक्षा पैराग्राफ/प्रतिवेदन जिन पर मंत्रालय द्वारा ए.टी.एन पहली बार भी प्रस्तुत नहीं की गई हैं।	01
लेखापरीक्षा पैराग्राफ/प्रतिवेदन जिन पर संशोधित ए.टी.एन प्रतीक्षित है	36

1.8.2 ड्राफ्ट लेखापरीक्षा पैराग्राफों पर मंत्रालय की प्रतिक्रिया

वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) ने जून 1960 में सभी मंत्रालयों को अनुदेश जारी किए कि भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन में सम्मिलित किए जाने वाले प्रस्तावित ड्राफ्ट लेखापरीक्षा पैराग्राफों पर अपना प्रत्युत्तर छः सप्ताह के अन्दर भेज दें।

"भारतीय नौसेना में नौसेना भण्डार, उपकरण एवं पुर्ज़े प्रबंधन" पर ड्राफ्ट निष्पादन लेखापरीक्षा सचिव, रक्षा मंत्रालय को अर्ध शासकीय पत्र द्वारा नवम्बर 2016 में भेजा गया था। इसी प्रकार, फरवरी एवं दिसम्बर 2016 के दौरान 14 ड्राफ्ट पैराग्राफ मंत्रालय को भेजे गए तथा लेखापरीक्षा निष्कर्षों की ओर उनका ध्यान आकर्षित करने और निर्दिष्ट छः सप्ताह के अन्दर अपना प्रत्युत्तर भेजने के लिए निवेदन किया गया।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अनुदेशों के बावजूद, रक्षा मंत्रालय ने प्रतिवेदन में निष्पादन लेखापरीक्षा सहित 13 पैराग्राफों में से आठ पैराग्राफों का उत्तर नहीं दिया। अतः इन पैराग्राफों के बारे में मंत्रालय की टिप्पणी सम्मिलित नहीं की जा सकी।

1.9 प्रतिवेदन के संबंध में

इस प्रतिवेदन में एक निष्पादन लेखापरीक्षा के अतिरिक्त 12 लेखापरीक्षा पैराग्राफ चार अध्यायों में सम्मिलित हैं जो निम्न हैं:

- अध्याय-II के अंतर्गत "भारतीय नौसेना में नौसैनिक भण्डार तथा उपकरण एवं अतिरिक्त पुर्जों के इनवेंट्री प्रबंधन" पर निष्पादन लेखापरीक्षा।
- अध्याय-III के अंतर्गत रक्षा मंत्रालय-भारतीय नौसेना से संबंधित ग्यारह लेखापरीक्षा पैराग्राफ।
- अध्याय-IV के अंतर्गत रक्षा मंत्रालय-भारतीय तटरक्षक से संबंधित एक लेखापरीक्षा पैराग्राफ।